

5/1

तकील उभयपक्ष को बताने की
कि आपसी अन्तर्गत बातें करना
नहीं चाहते हैं तथा वकील प्रार्थना
पत्र हेतु अन्तर्गत बातें ही हैं।
तकील आपसी के निवेदन पर
जबकि आप पत्र का अन्तर्गत
क्रिया जाकर अन्तर्गत करते
तबकि आप पत्र हेतु दिनांक 4.12.19
को पेश है।

Sap

Shoblat

4.12.19

वकील उभयपक्ष अथवा सरकारी
परीवार अथवा
वकील उभयपक्ष के निवेदन पर
प्रार्थना पत्र पर बतल सुनी
गई। अन्तर्गत का अन्तर्गत
क्रिया तथा प्रकरण के तबकि के
अन्तर्गत बतल व प्रार्थना पत्र
के हालाते पर मनन किया।
बतल के दौरान उभयपक्ष के वकील
का मुख्य निवेदन रहा है कि प्रार्थना
व आपसी द्वारा हाजा काद के
विचारण के दौरान एक दूसरे के
कलजा काश्त व अन्तर्गत दिनांक तथा
मौका स्थिति यथावत रखी जावे
तथा दोनों पक्ष एक दूसरे के कलजा

कारण में किसी प्रकार दखलान्दाजी
 नहीं करने हेतु संगत है। जय ही
 राज्य विवाद को न मौका मिलने
 यथावत रखने पर संतोष है।
 अतएव प्रकरण के लक्ष्यो व हालाते
 के मध्यमार्ग यह अर्थात् शिवा
 जाता है कि हाजा प्रकरण की
 वसुधाल अराजी लक्ष्मील रोहट
 के सहय शाफ लालकी परिवार
 मंडल लालकी के संसदा नम्बर
 ५७, २३१ व २७१ इल खता १५-०५
 बंधा तथा संसदा नम्बर १०३/२
 खता १५ बंधा हाजा भूमि के संबंध
 विवाद व मौके की यथास्थिति को
 धारण व अप्रार्थना यथावत वापस
 रखे तथा एक दूसरे के ^{हक हिस्सा अन्तर्गत} _{कहा जावे}
 में किसी प्रकार दखलान्दाजी हाजा
 मूल वाद के निस्तारण तक नहीं
 करे। यह अर्थान पर फैसला
 सुपार होकर मूल वाद पत्रावली के
 संलग्न है।

See
 SDO/Ret

सेवामें.

प्राथी :-
 गोदाराम
 तहसील

